

(c) The British Government have generally kept us informed of these changes through their High Commission in New Delhi, but there has been no prior consultation.

पश्चिमी एशिया तथा उत्तर अफ्रीका के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए उठाये जाने वाले कदमों के सम्बन्ध में भारतीय राजनयिकों के साथ बातचीत

293. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या वंदेशिक व्यापार तथा पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि शनिवार, 24 मई, 1969 को फेडरेशन आफ एक्सपोर्ट्स ऑर्गनाइजेशन के प्रतिनिधियों ने पश्चिम एशिया तथा उत्तरी अफ्रीका के 13 देशों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले राजनयिकों तथा भारत सरकार के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ इन देशों को निर्यात बढ़ाने के उपाय तलाश करने की दृष्टि से बातचीत की थी;

(ख) यदि हाँ, तो उस बातचीत का व्यौरा क्या है; और

(ग) निर्यात संवर्धन के कार्य को तेज करने के लिये सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

†[TALK WITH INDIAN DIPLOMATS ON STEPS TO BOOST TRADE WITH WEST ASIA AND NORTH AFRICA

293. SHRI J. P. YADAV : Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state :

(a) whether it is a fact that on Saturday, the 24th May, 1969, the representatives of the Federation of Export Organisation had a discussion with the diplomats representing India in 13 countries of West Asia and North Africa and with the senior officials of the Government of India with a view to find out ways for increasing exports to those countries; and

(b) if so, what are the details of the discussions held ; and

(c) what steps Government propose to take to step up the work of export promotion ?]

वंदेशिक व्यापार तथा पूर्ति मंत्रालय में उपमंत्री (चौधरी राम सेवक) : (क) जी हाँ।

(ख) तथा (ग) बहुमत यह था कि निर्यातों को बढ़ाने के लिए जोरदार प्रयत्न करने के अतिरिक्त तकनीकी जानकारी, संयुक्त उद्यम तथा परामर्श सेवाएं प्रदान करने हेतु उपाय किए जाने चाहिए। इन देशों में हमारे मिशनों से निरन्तर परामर्श से सरकार पश्चिम एशिया तथा उत्तर अफ्रीका मिशनों के प्रमुखों के सम्मेलन में तैयार किए गए नीति निर्देशों के अनुसार कार्यवाही करने का प्रयत्न कर रही है।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) Yes, Madam.

(b) and (c) The consensus emerged that apart from organising a vigorous drive for promoting exports, steps should be taken to offer technical know-how, joint ventures, and consultancy services. Government, in constant consultation with our Missions in these countries, are trying to act in accordance with the policy guidelines evolved during the WANA Heads of Mission Conference.

पश्चिम एशिया तथा उत्तरी अफ्रीका को निर्यात

294 श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या वंदेशिक व्यापार तथा पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पश्चिमी एशिया तथा उत्तर अफ्रीका के देशों में बिजली के केबल, एम० एस० पाइप, ट्यूब, पम्प मोटर मोटर गाडी के फालतू पुर्जों, स्टील एवं इंजीनियरी के अन्य सामान, सूती कपड़े, चाय, जूट और मसालों आदि की बहुत मांग है,

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इस बात के लिये क्या व्यवस्था की है कि उन देशों को ये वस्तुएं उपयुक्त उच्च कोटि की निर्यात की जायें; और

(ग) इन देशों के साथ व्यापार में किस किस देश से हमारा मुकाबला है और किस तरह का मुकाबला है ?

†[EXPORTS TO WEST ASIA AND NORTH AFRICA

294. SHRI J. P. YADAV : Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state :

(a) whether it is a fact that electric cables, M.S. pipes, tubes, pump motors, spare parts of automobile Steel wares and other engineering goods, cotton textiles, tea, jute, spices etc. are in great demand in West Asian and North African countries ;

(b) if so, what arrangements have been made by Government in order to see that the goods of appropriate high quality are exported to those countries and

(c) the names of the countries with which we have to compete while trading with the said countries and the nature of competition we have to face ?]

वैदेशिक व्यापार तथा पूर्ति मंत्रालय में उप-मंत्री (चौधरी राम सेवक) : (क) जी हां ।

(ख) देश में इस प्रकार की व्यवस्था पहले से ही विद्यमान है, जिसके अंतर्गत जहाज लदान से पूर्व माल का निरीक्षण करके समुचित गुण नियंत्रण सुनिश्चित कर लिया जाता है । पश्चिमी एशिया तथा उत्तरी अफ्रीका के क्षेत्र से माल की किस्म के सबध में कोई विशेष शिकायतें प्राप्त नहीं हुई है ।

(ग) हमारे प्रतियोगी हैं : पटसन माल में पाकिस्तान, चाय में श्रीलंका और इजीप्टियरी सामान में जापान, सं० रा० अमेरिका तथा यूरोप के औद्योगिक देश ।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) Yes, Madam.

(b) Machinery already exists in the country to ensure proper quality control through pre-shipment inspections. From the West Asian, North African region no significant complaints have been received regarding quality.

(c) Our competitors are : Pakistan in jute goods; Ceylon in tea; and Japan, USA and the industrialised countries of Europe in engineering goods.]

MISSILE MANUFACTURE WITH FRENCH COLLABORATION

295. SHRI S. S. MARISWAMY :

DR. B. N. ANTANI :

SHRI LOKANATH MISRA :

SARDAR HARCHARAN SINGH DUGAL

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item published in the Hindustan Times of June 3, 1969 to the effect that the Government of India have decided to start manufacturing missiles with French collaboration; and

(b) if so, what is Government's reaction in this regard.

THE MINISTER OF STATE (DEFENCE PRODUCTION) IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI L.N. MISHRA) : (a) Yes, Madam.

(b) Some proposals for the manufacture of missiles have been received and are under Government's consideration.

CHINESE TROOPS MOVEMENT ON SINO INDIA BORDER

296. SARDAR HARCHARAN SINGH DUGAL :

SHRI SYED HUSSAIN :

SHRI JAGAT NARAIN :

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to the mobilisation and heavy movement of Chinese forces